दृश्य–श्रव्य (दूरदर्शन) माध्यम में हिन्दी की प्रयोजनमूलक प्रयुक्तियाँ

विनोद कुमार

दूरदर्शन पर हिन्दी की प्रयोजनमूलक प्रयुक्तियों का निहितार्थ हिन्दी भाषा की विविध प्रयुक्तियों तथा भाषिक विकल्पनों से है। भाषा की यह प्रयोजनीयता, विविध रूपों में प्रकट होती है। विद्वज्जन, विभिन्न आधारों पर इसके विविध प्रयोजनों को संकेतित करते हैं। 'प्रो0 दिनेश प्रसाद सिंह' भाषा अध्ययन की सुविधा के लिहाज से इसके दो संदर्भ बताते हैं। पहला 'प्रयोजनपरक सन्दर्भ' और दूसरा 'संरचनापरक सन्दर्भ'। एक भाषा की सम्प्रेषणीयता तथा संचार संबंधी कार्यों से संबंधित है, तो दूसरा भाषा के रूपिम, स्वनिम तथा विविध भाषावैज्ञानिक आधारों पर, उसकी रचना–विधान की जानकारी के विश्लेषण से संबंधित हैं। हिन्दी में जुडा यह विशेषण पद, 'प्रयोजनमूलक', हिन्दी के प्रयोगात्मक पक्ष को ध्वनित करता है।